बंसी बजदी जंगल विचू आई

बंसी बजदी जंगल विचू आई श्याम तेरे मिलने नू,
असा रो रो जान गवाई श्याम तेरे मिलने नू॥

सुनयो भिलनी दा हाल भक्ति किती ए कमाल,
सुनयो शबरी दा हाल भक्ति किती ए कमाल,
जूठे बैरा दा भोग लगाई श्याम तेरे मिलने नू,
बंसी बजदी जंगल विचू आई.....

सुनयो मीरा माई हाल भक्ति किती ए कमाल,
ओहने जहरा विच अमृत पाई श्याम तेरे मिलने नू,
बंसी बजदी जंगल विचू आई.....

सुनयो द्रौपदी दा हाल भक्ति किती ए कमाल,
ओह्दी सभा बिच लाज बचाई श्याम तेरे मिलने नू,
बंसी बजदी जंगल विचू आई.....

सुनयो धन्ने भक्त हाल भक्ति किती ए कमाल,
ओहने पत्थरा च दर्शन पाई श्याम तेरे मिलने नू,
बंसी बजदी जंगल विचू आई.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/23735/title/bansi-bajdi-jangal-vichu-aayi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |